ज्वालामुखीसहस्त्रनामावली

ज्वालामुखीसहस्त्रनामावली

प्रकाशक :-

प्रेमनाथ शास्त्री

मूल्य : 15 रु०

लक्ष्मी प्रिंटिंग वर्कस
लाल कुआं, देहली-6

पुष्पार्चन

इष्टदेव को सन्तुष्ट करने, मानसिक शान्ति, तथा हर मनोकामना सिद्धि के लिए पुष्पार्चन एक सरल तथा सुगम मार्ग है, हम जब भी चाहें- हर एक व्रत महोत्सव, पर्व अथवा जन्म दिन आदि पर जब हम कोई महान् यज्ञ करने में असमर्थ हूँ तो अवश्य पुष्पार्चन रूपी यज्ञ का प्रोग्राम बनायें।

विष्णु भगवान् ने शंकर भगवान् को सन्तुष्ट कराने के लिए **"सहस्त्रपुष्पार्चन्"** किया परन्तु अन्त में हजार पुष्प में एक कम होने पर भक्ति के आवेश में अपना नेत्रकमल हजारवें पुष्प के रूप में अर्पण किया, जिस के फलस्वरूप विष्णु को भगवान् शंकर से सुदर्शनचक्र प्राप्त हुआ।

पुष्पदन्ताचार्य ने फूल न मिलने पर फूलों के स्थान पर अपने 32 दांत पुष्पार्चन के रूप में अर्पण करते हुये महिम्नस्तोत्र के 32 श्लोकों का उच्चारण किया, भगवद्गीता में भगवान् कहते हैं **"पत्रं पुष्पं फलं तोयं"** इन प्रमाणों से स्पष्ट है पुष्पार्चन का पूजा विधान भारतीय पूजा क्रम में प्राचीन काल से प्रचलित है।

सस्त्रपुष्पार्चन विधिः-

इस पूजा में इष्ट देवता के सहस्त्रनाम के साथ आरम्भ में **"ॐ"** और अन्त में **"नमः"** जोड़कर एक-एक नाम से इष्टदेव पर पुष्प चढ़ाया जाता है, इस पूजा के लिये पुष्प पर्याप्तमात्रा में होने चाहिये (पुष्प की पत्तियाँ अलग अलग करके पूजा में प्रयोग न करें, फूल खण्डित ना हो) पुष्पार्चन के लिये किसी कमरे में स्वच्छ आसन बिछायें, जहाँ सभी भक्तजन सामूहिक रूप से पूजा में सम्मिलित हो सकें, जो पूजा का मुख्यकर्त्ता अथवा यजमान होगा उसको चाहिये पद्मासन में बैठकर अपने सामने इष्टदेव की मूर्ति उस ढंग से रखे ताकि आप को फूल अर्पण करने में कोई रुकावट न पड़े पूजा के आरम्भ पर रत्नदीप तथा धूप आदि जलाकर इष्टदेव की मूर्ति को तिलक लगाकर फूलों की मालाओं से सजाइये, पहले आप (यजमान) धूपदीप करे जो इसी पुस्तक में अलग दर्ज है, पूजा में सम्मिलित होने वालों में से जो सहस्त्रनामावली का उच्चारण कर सके एक एक नाम के

आरम्भ में "ॐ" और अन्त में "नमः" जोड़कर इष्टदेवता पर फूल चढ़ायें जैसे **ॐ महाविद्यायैः नमः, ॐ जगत् मात्रेः नमः "ॐ नारायणाय नमः" ॐ शिवाय नमः"** जो भक्तजन पूजा में सम्मिलित होंगे वे भी हरनाम के साथ **"नमः"** का सामूहिक रूप से उच्चारण किया करें। **यज्ञ में स्वाहा, पुष्पार्चन में नमः** का प्रयोग होता है।

हर 100 वीं पुष्पांजलि अर्पण करने के समय इष्टदेव का वैदिक मन्त्र अवश्य पढें जो इसी पुस्तक में दर्ज है।

हजारवीं पुष्पाँजलि डालते समय सभी भक्त खड़े होकर वैदिकमन्त्र और इष्टदेव का कोई श्लोक पढ़कर अन्तिम पुष्पांजलि श्रद्धा से अर्पण करके तर्पण करें–जैसा कि पूजाविधि में दर्ज है आरती आदि करके प्रप्युन करके प्रसाद बाटें।

धूपदीप विधिः

पूजा के लिये रखे गये निर्माल्य के पात्र में जल की धारा डालते हुये पढें :-
ॐ अस्य श्री-आसन-शोधन-मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ-ऋषिः सुतलं छन्दः, कूर्मो देवता-आसन-शोधने विनियोगः।
पृथ्वी माता को नमस्कार करते हुए पढें :-**पृथ्विी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता। त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरू चासनम्।**
आसन के रूप में पृथ्वी माता को दर्भ अथवा फूल अर्पण करते हुये पढें :-
ध्रुवा द्यौर्-ध्रुवा-पृथ्वी, ध्रवासः पर्वता इमे। ध्रुवं विश्वम्-इदं जगत् ध्रुवो राजा विशाम्-असि। तिलक-फूल-अर्घ्य चढाते हुये पढें :-
प्रीं पृथिव्यै आधारशक्त्यै समालभनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः। नमस्कार करते हुए पढें :- **शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्। प्रसन्न-वदनं ध्याये सर्व-विघ्नोप-शान्तये। अभि-प्रीतार्थ-सिद्धयर्थं पूजितो यः सैरैर्-अपि। सर्व विघ्नच्छिदे तस्मै गणाधि-पतये नमः।**

गुरुः-ब्रह्मा, गुरुः-विष्णुः गुरुः-साक्षात्-महेश्वरः। गुरुर्-एव जगत्सर्वं तस्मै श्री गुरु-वे नमः।। ॐ गुरवे नमः, परम गुरवे

नमः, पर-मेष्ठिने गुरवे नमः, परमा-चार्याय नमः आदि सिद्धिभ्यो नमः

अंग न्यास-कीजिये अंगन्यास करके चारों दिशाओं की ओर तिल फँकते हुये पढ़ें:-

अपसर्पन्तु ते भूता ये भूता भुवि संस्थिता, ये भूता विघ्नकर्तारः-ते नश्यन्तु शिवाज्ञया।।

प्राणायाम कीजिये, प्राणायाम करके मुँह और पैरों को छिडकते हुये पढें :-

तीर्थे स्नेयं तीर्थम्-एव समानानां भवति मानः, शंस्योर्-अर-रुषो धूर्तिः प्राणङ्-मर्त्यस्य रक्षाणो ब्रह्मणस्पते।

अनामिका अंगुली के ऊपर वाले पर्व पर पवित्र-धारण करते हुये पढें :-

वसोः पवित्रम्-असि शतधारं वसूनां पवित्रम्-असि, सहस्त्र-धारम्-अयक्ष्मा वः प्रजया संसृजामि रायस्पोषेण बहुला भवन्तीः। जंग चावल आदि लाकर तिलक करना

अपने आपको तिलक अक्षत धूप चढ़ाते हुये पढें :-

परमात्मने पुरु-षोत्तमाय पंचभूतात्मकाय विश्वात्मने मन्त्रनाथाय आधार-शक्त्यै समाल-भनं गन्धो नमः-अर्घो नमः पुष्पं नमः।

चोंग (धीप) को तिलक अक्षत फूल चढाते हुये पढें :-

"स्वप्रकाशो-महादीपः सर्वत-स्तिमिरा-पहः। प्रसीद नम गोविन्द दीपोयं प्रतिकल्पितः। भो दीप देव-रूवपस्त्वं कर्म-समाप्तिः याक्त् स्यात्-तावत् त्वं स्थिरो भव।

सूर्यदेवता के निमित्त निर्माल्यपात्र में तिलक अक्षत फूल डालते हुये पढें :-

यत्रास्ति माता न पिता न बन्धुः-भ्रतापि नो यत्र सुहृत्-जनश्च न ज्ञायते यत्र दिनं न रात्रिः-तत्रात्म-दीपं शरणं प्रपद्ये। आत्मने नारायणाय आधार-शक्त्यै दीप-धूप-संकल्पात्-सिद्धिर-अस्तु दीपो नमः धूपो नमः। ॐ तत्-सत्-ब्रह्म अद्यतावत्-तिथौ-अद्य .... मासस्य ..... पक्षस्य तिथौ ..... वासरे दीपोनमः धूपोनमः।

ज्वालामुखी सहस्त्रनाम
स्वाहाकार पूजन विधि

फूल अग्नि में डालते हुये पढ़ें :–

तर्पण कीजिये :–ॐ **अस्य श्री ज्वालामुखी सहस्त्रनामस्तोत्रस्य, भैरव ऋषिः, त्रिष्टुप् छन्दः, अद्वैतरुपिणी ज्वालामुखी देवता, ह्रीं बींज, श्री शक्तिः, ॐ कीलकं, आत्मनो वागंमनः कायो-पार्जित पापनिवारणार्थ श्री ज्वालामुखी प्रसाद सिद्धार्थ पाठे, होमे, पुण्पाचर्ने विनियोगः**

(अंगन्यास) **ॐ ह्रां हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसि स्वाहा, ॐ ह्रूं शिखायै वषट्, ॐ ह्रैं कवचाय हुँ, ॐ ह्रैं नेत्रत्रायाय वषट् ॐ ह्रः अस्त्राय पट्**

(करन्यासः) **ॐ ह्रां अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ ह्रूँ मध्यमाभ्यां नमः, ॐ ह्रैं अनामिकाभ्यां नमः, ॐ ह्रौं कनिष्ठकाभ्यां नमः, ॐ ह्रः करतकरपृष्ठाभ्यांतम्** अग्नि में आहुति डालते हुये पढ़ें :–**ॐ ज्वाला मुख्यै विद्महे स्वाहा, जगद्भक्षिणयै धीमहि, तन्नो ज्वाला प्रचोदयात् स्वाहा (3)**

अब सावधानी से दोनों आहुति डालने वाला और यजमान एक एक नाम से प्रज्वलित अग्नि में आहुति डालें। हर एक नाम के आरम्भ में 'ॐ' तथा अन्त में 'नमः' शब्द का उच्चारण करें। ऐसे ही क्रमशः 100वी, 200वीं, 300वीं आहुति डालने से पूर्व 'स्त्रुक' (जिस में एक रन्ध्र होता है) से 'स्त्रुव' को घी से चार बार स्पर्श करते हुये पढ़ें 'तेजोसि शुक्रमसि ज्योतिरसि धमासि' पहले निचले रन्ध्र को फिर दो बार ऊपर के रन्ध्र को, फिर स्त्रुव के निचले रन्ध्र को एक बार स्पर्श करके, स्त्रुव पर श्रीफल, कन्द या अखरोट रखकर यवतिल की भी अंजलि हाथ में लेकर वैदिक मन्त्र जो कि इसी पुस्तक में स्तुति के

रूप में दर्ज है हर 100वें नाम की आहुति डालें। अन्तिम यानी 999 वी आहुति तक अग्नि में आहुति डालकर अन्त में फूल अग्नि में डालते हुये पढ़ें :-

यः पठेत् पाठयेत् वापि शृणोति श्रावयेत् अपि, भक्त्या भक्तो महादेवि स भवेत् भैरवोपमः। पठेत्सहस्त्र नामेदं ज्वाला मुख्यतः सुदुर्लभम्। अनन्तफलदं गोप्यं त्रिसन्ध्यं यः पठेत् सुधीः अणिमादि विभूतीनाम् ईश्वरो मान्त्रि को भवेत्। नाम्नां सहस्त्रकं देवि त्रिवारं साधकोत्तमः, कर्मणा मनसा वाचा ज्वालामुख्याः सुतो भवेत् दत्वा क्षीरबलिं तस्य करस्थाः सर्वसिद्धयः।।

तर्पण करते हुये पढ़ें :-अनने ज्वालामुखी सहस्त्रेण ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौ ह्रः ज्वालामुखी भगवती प्रीयतां प्रीतास्तु।

अथ स्तुतिः

देवि त्र्यम्बकपत्नि पार्वति सति,त्रैलोक्यमातः शिवे,शर्वाणि त्रिपुरे मृडानि वरदे रुद्राणि कात्या यानि,भीमे भैरवि चण्डि शर्वरि कले ! कालक्षये शूलिनि,त्वत्पादप्रणतानऽनन्यमनसः पर्याकुलान्पाहि नः।। 1 ।। उन्मत्ता इव सग्रहा इव विषव्यासक्तमूर्च्छा इव प्राप्तप्रौढमदा इवातिविरहग्रस्ता इवार्ता इव। ये ध्यायन्ति हि शैलराजतनयां धन्यास्त एकाग्रतस्त्यक्तोपाधिविवृद्धरागमनसो ध्यायन्ति वामभ्रुवः।।2 ।। देवि त्वां सकृदेव यः प्रणमति क्षोणीभृतस्तं नमन्त्याजन्म स्फुरदङ्घ्रिपीठ विलुपत्कोटीरकोटिच्छटाः। यस्त्वामर्चति सोऽर्च्यते सुरगणैर्यः स्तौति स स्तूयते यस्त्वां ध्यायति तं स्मरार्तिविधुरा ध्यायन्ति वामभ्रुवः।। 3 ।। ध्यायन्ति ये क्षणमपि त्रिपुरे हृदि त्वां लावण्ययौवनधनैरपि विप्रयुक्ताः। ते विस्फुरन्ति ललितायतलोचनानां

चित्तैकभित्तिलिखितप्रतिमाः पुमांसः।।4 ।। एतं किंनु दृशा पिबाम्युत विशाम्यस्याङ्गमङ्गैर्निजैः, किंवामुं निगलाम्यनेन सहसा किंवैकतामाश्रये। तस्येत्थं विवशो विकल्पघटनाकूतेन योषिज्जनः किं तद्यन्न करोति देवि ! हृदये यस्य त्वमावर्तसे।। 5 ।। विश्वव्यापिनि यद्वदीश्वर इति स्थाणावनन्याश्रयः शब्दः शक्तिरिति त्रिकोकजननि त्वय्येव तथ्यस्थितिः। इत्थं सत्यपि शुक्रुवन्ति यदिमाः क्षुद्रा रुजो बाधितुं त्वद्भक्तानऽपि न क्षणोषि च रुषा तद्देवि चित्रं महत्।।6 ।। इन्दोर्मध्यगतां मृगाङ्कसदृशच्छायां मनोहारिणीं पाण्डूत्फुल्लसरोरुहासनगतां स्निग्धप्रदीपच्छविम्। वर्षन्तीममृतं भवानि भवतीं ध्यायन्ति ये देहिनस्ते निर्मुक्तरुजो भवन्ति विपदः प्रोज्यन्ति तान्दूरतः।। 7 ।। पूर्णेन्दोः शकलैरिवातिबहलैः पीयूषपूरैरिव क्षीराब्धेर्लहरीभरैरिव सुधापङ्कस्य पिण्डैरिव। प्रोलेयैरिव निर्मितं तव वपुर्ध्यायन्ति ये श्रद्धया चित्तान्तर्निहतार्त्तितापविपदस्ते सम्पदं विभ्रति।। 8 ।। ये संस्मरन्ति तरलां सहसोल्लसन्तीं त्वां ग्रन्थिपञ्चकभिदं तरुणार्कशोणाम्। रागार्णवे बहलरागिणि मज्जयन्तीं कृत्स्नं जगद्दधति चेतसि तान्मृगाक्ष्यः।। 9 ।। लाक्षारसस्नपितपङ्कजतन्तुतन्वीमऽन्तः स्मरत्यऽनुदिनं भवतीं भवानि। यस्तं स्मरप्रतिममऽप्रतिमस्वरूपा नेत्रोत्पलैर्मृगदृशो भृशमऽर्चयन्ति।। 10 ।।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

ॐ ह्रीं ज्वालामुख्यै स्वाहा

ॐ जैत्र्यै स्वाहा

ॐ श्रीं ज्योत्स्नायै स्वाहा

ॐ जयदायै स्वाहा

ॐ जयायै स्वाहा

ॐ औदुम्बरायै स्वाहा

ॐ महानीलायै स्वाहा

ॐ शुक्रलिप्तायै स्वाहा

ॐ शच्यै स्वाहा

ॐ श्रुत्यै स्वाहा

ॐ स्मयदायै स्वाहा

ॐ स्मयहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ स्मरशत्रुप्रियङ्कर्यै
स्वाहा

ॐ मानदायै स्वाहा

ॐ मोहिन्यै स्वाहा

ॐ मत्तायै स्वाहा

ॐ मायायै स्वाहा

ॐ बालायै स्वाहा

ॐ बलन्धरायै स्वाहा

ॐ भगरूपायै स्वाहा

ॐ भगावासायै स्वाहा

ॐ भीरुण्डायै स्वाहा

ॐ भयघातिन्यै स्वाहा

ॐ भीत्यै स्वाहा

ॐ भयानकास्यायै
स्वाहा

ॐ भुवे स्वाहा

ॐ सुभ्रुवे स्वाहा

ॐ सुखिन्यै स्वाहा

ॐ सत्यै स्वाहा

ॐ शूलिन्यै स्वाहा

ॐ शूलहस्तायै स्वाहा

ॐ शूलिवामाङ्गवासिन्यै
स्वाहा

ॐ शशाङ्कजनन्यै स्वाहा

ॐ शीतायै स्वाहा

ॐ शीतलायै स्वाहा

ॐ शारिकायै स्वाहा

ॐ शिवायै स्वाहा

ॐ स्रुचिकायै स्वाहा

ॐ मधुमन्मान्यायै स्वाहा

ॐ त्रिवर्गफलदायिन्यै-
स्वाहा

ॐ त्रेतायै स्वाहा

ॐ त्रिलोचनायै स्वाहा

ॐ दुर्गायै स्वाहा

ॐ दुर्गमायै स्वाहा

ॐ दुर्गतये स्वाहा

ॐ गतये स्वाहा

ॐ पूतायै स्वाहा

ॐ प्लुत्यै स्वाहा

ॐ विसर्गायै स्वाहा

ॐ सृष्टिकर्त्र्यै स्वाहा

ॐ सुखावहायै स्वाहा

ॐ सुखदायै स्वाहा

ॐ वरूथिन्यै स्वाहा

ॐ वीरजनन्यै स्वाहा

ॐ वीरसुन्दर्यै स्वाहा

ॐ वीरस्वै स्वाहा

ॐ वारुण्यै स्वाहा

ॐ वार्तायै स्वाहा

ॐ वराभयकरायै-
स्वाहा

ॐ वध्वै स्वाहा

ॐ वानीरतलगायै स्वाहा

ॐ वाम्यायै स्वाहा

ॐ वामाचारफलप्रदायै-
स्वाहा

ॐ वीरायै स्वाहा

ॐ सर्वमध्यस्थायै स्वाहा

ॐ लोकमात्रे स्वाहा

ॐ महेश्वर्यै स्वाहा

ॐ लोकेष्टायै स्वाहा

ॐ वरदायै स्वाहा

ॐ स्तुत्यायै स्वाहा

ॐ स्तुतये स्वाहा

ॐ द्रुतगतये स्वाहा

ॐ नुतये स्वाहा

ॐ नयदायै स्वाहा

ॐ नयनेत्रायै स्वाहा

ॐ नवग्रहनिषेवितायै-
स्वाहा

ॐ अम्बायै स्वाहा

ॐ चौर्यकर्यै स्वाहा

ॐ शान्तायै स्वाहा

ॐ शार्दूलत्वचे स्वाहा

ॐ शर्वर्यै स्वाहा

ॐ शलभ्यै स्वाहा

ॐ शास्त्रमर्यादायै स्वाहा

ॐ शिवदायै स्वाहा

ॐ शम्बरान्तकायै स्वाहा

ॐ शम्बरारिप्रियायै स्वाहा

ॐ शम्भुकान्तायै स्वाहा

ॐ शशिनिभाननायै स्वाहा

ॐ शस्त्रायुधधरायै स्वाहा

ॐ धीरायै स्वाहा

ॐ ज्योतिषे स्वाहा

ॐ दीप्तये स्वाहा

ॐ जगत्प्रियायै स्वाहा

ॐ जगत्यै स्वाहा

ॐ जित्वर्यै स्वाहा

ॐ जार्यै स्वाहा

ॐ मार्जार्यै स्वाहा

ॐ पशुपालिन्यै स्वाहा

ॐ मेरुमध्यगतायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ मैत्र्यै स्वाहा[१००]

ॐ मुसलायुधधारिण्यै स्वाहा

ॐ मान्यायै स्वाहा

ॐ मन्त्रेष्टदायै स्वाहा

ॐ माध्व्यै स्वाहा

ॐ माध्वीरसवि-
घूर्णितायै स्वाहा

ॐ मोदका-
हारमत्तायै स्वाहा

ॐ मत्तमातङ्गगामिन्यै स्वाहा

ॐ महेश्वरप्रियायै स्वाहा

ॐ उन्मत्तायै स्वाहा

ॐ दार्व्यै स्वाहा

ॐ दैत्यविमार्दिन्यै स्वाहा

ॐ देवेष्टायै स्वाहा

ॐ साधकेष्टायै स्वाहा

ॐ साध्व्यै स्वाहा

ॐ सर्वत्रगायै स्वाहा

ॐ समायै स्वाहा

ॐ सन्तानकुतरुच्छायायै-
स्वाहा

ॐ सन्तुष्टायै स्वाहा

ॐ अध्वश्रमापहायै स्वाहा

ॐ शारदायै स्वाहा

ॐ शरदब्जाक्ष्यै स्वाहा

ॐ शरच्चन्द्रनिभाननायै स्वाहा

ॐ नम्राङ्ग्यै स्वाहा

ॐ कर्कशाङ्ग्यै स्वाहा

ॐ वज्राङ्ग्यै स्वाहा

ॐ वज्रधारिण्यै स्वाहा

ॐ वज्रेष्टायै स्वाहा

ॐ वज्र्कङ्काल्यै स्वाहा

ॐ वानर्यै स्वाहा

ॐ वायुवेगिन्यै स्वाहा

ॐ वराक्यै स्वाहा

ॐ कुलक्यै स्वाहा

ॐ काम्यायै स्वाहा

ॐ कुलेष्टायै स्वाहा

ॐ कुल्कामिन्यै स्वाहा

ॐ कुन्तायै स्वाहा

ॐ कामेश्वर्यै स्वाहा

ॐ क्रूरायै स्वाहा

ॐ कुल्यायै स्वाहा

ॐ कामान्त्कारिण्यै स्वाहा

ॐ कुन्त्यै स्वाहा

ॐ कुन्तधरायै स्वाहा

ॐ कुब्जायै स्वाहा

ॐ काष्टदायै स्वाहा

ॐ बगलामुख्यै स्वाहा

ॐ मृडान्यै स्वाहा

ॐ मधुरायै स्वाहा

ॐ मूकायै स्वाहा

ॐ प्रमत्तायै स्वाहा

ॐ बैन्दुवीथ्यै स्वाहा

ॐ कुमार्यै स्वाहा

ॐ कुष्टहायै स्वाहा

ॐ काम्यायै स्वाहा

ॐ कूवर्यै स्वाहा

ॐ नडकूवर्यै स्वाहा

ॐ नगेश्वर्यै स्वाहा

ॐ नागावासायै स्वाहा

ॐ नगपुत्र्यै स्वाहा

ॐ नागारिघ्ने स्वाहा

ॐ नागकन्यायै स्वाहा

ॐ कुह्वै स्वाहा

ॐ कुण्ठच्यै स्वाहा

ॐ करुणायै स्वाहा

ॐ कृपयान्वितायै स्वाहा

ॐ ककारवर्णरू-
पाढ्यायै स्वाहा

ॐ ह्रियै स्वाहा

ॐ लज्जायै स्वाहा

ॐ श्रियै स्वाहा

ॐ शुभायै स्वाहा

ॐ अशुभायै स्वाहा

ॐ खेचर्यै स्वाहा

ॐ खगपुत्र्यै स्वाहा

ॐ खगनेत्रायै स्वाहा

ॐ खगेश्वर्यै स्वाहा

ॐ खातायै स्वाहा

ॐ खनित्र्यै स्वाहा

ॐ खस्थायै स्वाहा

ॐ जप्यायै स्वाहा

ॐ जप्तायै स्वाहा

ॐ जरात्मिकायै स्वाहा

ॐ जगतोऽजन्मदायै स्वाहा

ॐ जम्भ्यै स्वाहा

ॐ जम्बुवृक्षतलस्थितायै स्वाहा

ॐ जाम्बूनदप्रियायै स्वाहा

ॐ सत्यायै स्वाहा

ॐ सात्त्विक्यै स्वाहा

ॐ सत्त्वसंस्थितायै स्वाहा

ॐ सर्वमात्रे स्वाहा

ॐ समालोकायै स्वाहा

ॐ लोकाख्यात्यै स्वाहा

ॐ लयात्मिकायै स्वाहा

ॐ लूतायै स्वाहा

ॐ लतारतये स्वाहा

ॐ लाजाभ्यः स्वाहा

ॐ वाजिगायै स्वाहा

ॐ वारुणीप्रियायै स्वाहा

ॐ कुटिलायै स्वाहा

ॐ कुत्सितायै स्वाहा

ॐ ब्राह्म्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ ब्रह्माण्यै स्वाहा २००

ॐ ब्रह्मदायिन्यै स्वाहा

ॐ व्रतेष्टायै स्वाहा

ॐ वाजिन्यै स्वाहा

ॐ वस्त्यै स्वाहा

ॐ वामनेत्रायै स्वाहा

ॐ वशङ्कर्यै स्वाहा

ॐ शाङ्कर्यै स्वाहा

ॐ शङ्करेष्टायै स्वाहा

ॐ शशाङ्ककृतशेखरायै स्वाहा

ॐ कुम्भेश्वर्यै स्वाहा

ॐ कुरुघ्न्यै स्वाहा

ॐ पाण्डवेष्टायै स्वाहा

ॐ परात्परायै स्वाहा

ॐ महिषासुरसंहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ माननीयायै स्वाहा

ॐ मनुप्रियायै स्वाहा

ॐ दक्षिणायै स्वाहा

ॐ दक्षजायै स्वाहा

ॐ दक्षायै स्वाहा

ॐ द्राक्षायै स्वाहा

ॐ दूत्यै स्वाहा

ॐ धराद्युतये स्वाहा

ॐ धर्मदायै स्वाहा

ॐ धर्म्राजेष्टायै स्वाहा

ॐ धर्मस्थायै स्वाहा

ॐ धर्मपालिन्यै स्वाहा

ॐ धनदायै स्वाहा

ॐ धनिकायै स्वाहा

ॐ धर्म्यायै स्वाहा

ॐ पताकायै स्वाहा

ॐ पार्वत्यै स्वाहा

ॐ प्रजायै स्वाहा

ॐ प्रजावत्यै स्वाहा

ॐ पुर्यै स्वाहा

ॐ प्रज्ञायै स्वाहा

ॐ पुरे स्वाहा

ॐ पुत्र्यै स्वाहा

ॐ पत्रिवाहिन्यै स्वाहा

ॐ पत्रिहस्तायै स्वाहा

ॐ मातंग्यै स्वाहा

ॐ पुत्रिकायै स्वाहा

ॐ पतिव्रतायै स्वाहा

ॐ पुष्ट्यै स्वाहा

ॐ प्लुक्षायै स्वाहा

ॐ श्मशान्स्थायै स्वाहा

ॐ देव्यै स्वाहा

ॐ धनद्सेवितायै स्वाहा

ॐ दयावत्यै स्वाहा

ॐ दयापूरायै स्वाहा

ॐ गयानिकटवासिन्यै स्वाहा

ॐ नर्मदायै स्वाहा

ॐ शर्मदायै स्वाहा

ॐ नन्दायै स्वाहा

ॐ नाकिन्यै स्वाहा

ॐ नाकिसेवितायै स्वाहा

ॐ नासायै स्वाहा

ॐ सङ्क्रान्त्यै स्वाहा

ॐ ईडचायै स्वाहा

ॐ भैरव्यै स्वाहा

ॐ च्छिन्नमस्तकायै स्वाहा

ॐ श्यामायै स्वाहा

ॐ श्यामाम्बरायै स्वाहा

ॐ पीतायै स्वाहा

ॐ पीतवस्त्रायै स्वाहा

ॐ कलावत्यै स्वाहा

ॐ कुन्तक्यै स्वाहा

ॐ कौतुकाचारायै स्वाहा

ॐ कुलधर्मप्रकाशिन्यै स्वाहा

ॐ शाम्भव्यै स्वाहा

ॐ गारुडीविद्यायै स्वाहा

ॐ गरुडासनसंस्थितायै स्वाहा

ॐ विनतायै स्वाहा

ॐ वैनतेयेष्टायै स्वाहा

ॐ वैष्णव्यै स्वाहा

ॐ विष्णुपूजितायै स्वाहा

ॐ वार्ताकायै स्वाहा

ॐ वालुकायै स्वाहा

ॐ वेत्र्यै स्वाहा

ॐ वेत्रहस्तायै स्वाहा

ॐ वराङ्गनायै स्वाहा

ॐ विवेकलोचनायै स्वाहा

ॐ लुप्तायै स्वाहा

ॐ नावे स्वाहा

ॐ नारायणपूजितायै स्वाहा

ॐ नारायण्यै स्वाहा

ॐ सुमुख्यै स्वाहा

ॐ दुर्जयायै स्वाहा

ॐ दुःखहारिण्यै स्वाहा

ॐ दुर्भाग्यहायै स्वाहा

ॐ दुराचारायै स्वाहा

ॐ दुष्टहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ द्वेषिण्यै स्वाहा

ॐ वाङ्मय्यै स्वाहा

ॐ भारत्यै स्वाहा

ॐ भाषायै स्वाहा

ॐ मष्यै स्वाहा

ॐ लेखकपूजितायै स्वाहा

ॐ लेखपत्र्यै स्वाहा

ॐ लोलाक्ष्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ लास्यायै स्वाहा३००

ॐ हास्यायै स्वाहा

ॐ प्रियङ्कर्यै स्वाहा

ॐ प्रमदायै स्वाहा

ॐ प्रणयज्ञायै स्वाहा

ॐ प्रमाणप्रत्ययाङ्किताये स्वाहा

ॐ वाराह्यै स्वाहा

ॐ कुब्जिकाकारायै स्वाहा

ॐ काराबन्धनमोक्षदायै स्वाहा

ॐ उग्रायै स्वाहा

ॐ उग्रतरायै स्वाहा

ॐ उग्रेष्टायै स्वाहा

ॐ नृमान्यायै स्वाहा

ॐ नारसिंहिकायै स्वाहा

ॐ नरनारायणस्तुत्यायै स्वाहा

ॐ नरवाहनपूजितायै स्वाहा

ॐ नृमुण्डायै स्वाहा

ॐ नूपुराढ्यायै स्वाहा

ॐ नृमात्रे स्वाहा

ॐ त्रिपुरीश्वर्यै स्वाहा

ॐ दिव्यायुधायै स्वाहा

ॐ उग्रतारायै स्वाहा

ॐ त्र्यक्षायै स्वाहा

ॐ त्रिपुरमालिन्यै स्वाहा

ॐ त्रिनेत्रायै स्वाहा

ॐ कोटराक्ष्यै स्वाहा

ॐ षट्चक्रस्थायै स्वाहा

ॐ क्रमेश्वर्यै स्वाहा

ॐ क्रिमिकायै स्वाहा

ॐ क्रिमियोनये स्वाहा

ॐ कलायै स्वाहा

ॐ चन्द्रकलायै स्वाहा

ॐ चम्वै स्वाहा

ॐ चर्माम्बरायै स्वाहा

ॐ चार्वङ्ग्यै स्वाहा

ॐ चञ्चलाक्ष्यै स्वाहा

ॐ भद्रदायै स्वाहा

ॐ भद्रकाल्यै स्वाहा

ॐ सुभद्रायै स्वाहा

ॐ भद्राङ्ग्यै स्वाहा

ॐ प्रेतवाहिन्यै स्वाहा

ॐ सुषमायै स्वाहा

ॐ स्त्रीप्रियायै स्वाहा

ॐ कान्तायै स्वाहा

ॐ कौलिन्यै स्वाहा

ॐ कुटिलालकायै स्वाहा

ॐ कुशब्दायै स्वाहा

ॐ कुगतये स्वाहा

ॐ मेध्यायै स्वाहा

ॐ मध्यमायै स्वाहा

ॐ ज्यायै स्वाहा

ॐ काश्यप्यै स्वाहा

ॐ दक्षिणाकालिकायै स्वाहा

ॐ काल्यै स्वाहा

ॐ कालभैरवपूजितायै स्वाहा

ॐ क्लींकार्यै स्वाहा

ॐ कुमत्यै स्वाहा

ॐ वाण्यै स्वाहा

ॐ बाणासुरनिसूदिन्यै स्वाहा

ॐ निर्मदायै स्वाहा

ॐ निर्ममेष्टायै स्वाहा

ॐ नरयोनये स्वाहा

ॐ निराश्रयायै स्वाहा

ॐ निर्विकारायै स्वाहा

ॐ निरीक्ष्यायै स्वाहा

ॐ निलयायै स्वाहा

ॐ नृपपुत्रिण्यै स्वाहा

ॐ नृपसेव्यायै स्वाहा

ॐ विरिञ्चेष्टायै स्वाहा

ॐ विशिष्टायै स्वाहा

ॐ विश्वमातृकायै स्वाहा

ॐ मातृकार्णविलिप्ताङ्ग्यै-
स्वाहा

ॐ मधुस्नातायै स्वाहा

ॐ मधुस्त्रुवायै स्वाहा

ॐ शुक्रेष्टायै स्वाहा

ॐ शुक्रसन्तुष्टायै स्वाहा

ॐ शुक्रस्नातायै स्वाहा

ॐ कृशोदर्यै स्वाहा

ॐ वृषायै स्वाहा

ॐ वृष्टचै स्वाहा

ॐ अनावृष्टचै स्वाहा

ॐ लुभ्यायै स्वाहा

ॐ लोभविवर्जितायै स्वाहा

ॐ लुब्ध्यै स्वाहा

ॐ ललनायै स्वाहा

ॐ लक्ष्यायै स्वाहा

ॐ लक्ष्म्यै स्वाहा

ॐ रामायै स्वाहा

ॐ रमायै स्वाहा

ॐ नुतये स्वाहा

ॐ रेवायै स्वाहा

ॐ रम्भायै स्वाहा

ॐ उर्वश्यै स्वाहा

ॐ वश्यायै स्वाहा

ॐ वासुकिप्रिय-
कारिण्यै स्वाहा

ॐ शेषायै स्वाहा

ॐ शेषकृतायै स्वाहा

ॐ श्रेष्ठायै स्वाहा

ॐ शेषशायिनमस्कृतायै स्वाहा

ॐ शिष्यायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ शर्वप्रियायै
स्वाहा ४००

ॐ शस्तायै स्वाहा

ॐ प्रशस्तायै स्वाहा

ॐ शम्भुसेवितायै स्वाहा

ॐ आशुशुक्षणिनेत्रायै स्वाहा

ॐ क्षणदायै स्वाहा

ॐ क्षणसेवितायै स्वाहा

ॐ क्षुरिकायै स्वाहा

ॐ कर्णिकासंस्थायै स्वाहा

ॐ साचारायै स्वाहा

ॐ आचार,रूपिण्यै स्वाहा

ॐ चरित्र्यै स्वाहा

ॐ धरित्रीश्यै स्वाहा

ॐ देव,दैत्येन्द्र,पूजितायै स्वाहा

ॐ गुणिन्यै स्वाहा

ॐ गुणरूपायै स्वाहा

ॐ त्रिगुणायै स्वाहा

ॐ निर्गुणायै स्वाहा

ॐ घृणायै स्वाहा

ॐ घोषायै स्वाहा

ॐ गजाननेष्टायै स्वाहा

ॐ गजाकारायै स्वाहा

ॐ गजप्रियायै स्वाहा

ॐ गीतायै स्वाहा

ॐ गीतप्रियायै स्वाहा

ॐ तथ्यायै स्वाहा

ॐ पथ्यायै स्वाहा

ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै स्वाहा

ॐ पीनस्तन्यै स्वाहा

ॐ रमण्यै स्वाहा

ॐ रमणेष्टायै स्वाहा

ॐ मैथिल्यै स्वाहा

ॐ पद्मायै स्वाहा

ॐ पद्मधरायै स्वाहा

ॐ वत्सायै स्वाहा

ॐ धेन्वै स्वाहा

ॐ मेरुधरायै स्वाहा

ॐ मघायै स्वाहा

ॐ मालत्यै स्वाहा

ॐ मधुरालापायै स्वाहा

ॐ मातृजायै स्वाहा

ॐ मासिन्यै स्वाहा

ॐ वैश्वानरप्रियायै स्वाहा

ॐ वेद्यायै स्वाहा

ॐ चिकित्सायै स्वाहा

ॐ वैद्यपूजितायै स्वाहा

ॐ वेदिकायै स्वाहा

ॐ वारपुत्र्यै स्वाहा

ॐ वयस्यायै स्वाहा

ॐ वाग्भव्यै स्वाहा

ॐ प्रस्वै स्वाहा

ॐ क्रीतायै स्वाहा

ॐ पद्मासनायै स्वाहा

ॐ सिद्धायै स्वाहा

ॐ सिद्धलक्ष्म्यै स्वाहा

ॐ सरस्वत्यै स्वाहा

ॐ सत्वश्रेष्टायै स्वाहा

ॐ सत्त्वसंस्थायै स्वाहा

ॐ सामान्यायै स्वाहा

ॐ साम वायिकायै स्वाहा

ॐ साधकेष्ठायै स्वाहा

ॐ सत्पत्न्यै स्वाहा

ॐ सत्पुत्र्यै स्वाहा

ॐ सत्कुलाश्रयायै स्वाहा

ॐ समदायै स्वाहा

ॐ प्रमदायै स्वाहा

ॐ प्रान्तायै स्वाहा

ॐ परलोकगतिप्रदायै स्वाहा

ॐ घोररूपायै स्वाहा

ॐ घोररावायै स्वाहा

ॐ मुक्तकेश्यै स्वाहा

ॐ मुक्तिदायै स्वाहा

ॐ मोक्षदायै स्वाहा

ॐ बलदायै स्वाहा

ॐ मुक्तये स्वाहा

ॐ भुक्तये स्वाहा

ॐ बलिप्रियायै स्वाहा

ॐ बलायै स्वाहा

ॐ तिलप्रसूननासायै स्वाहा

ॐ प्रसूनायै स्वाहा

ॐ कुलशीर्षिण्यै स्वाहा

ॐ परद्रोहकर्यै स्वाहा

ॐ पथे स्वाहा

ॐ पारावार‚सुतायै स्वाहा

ॐ भगायै स्वाहा

ॐ भगप्रियायै स्वाहा

ॐ भर्गरतायै स्वाहा

ॐ होलायै स्वाहा

ॐ हैमवत्यै स्वाहा

ॐ ईश्वर्यै स्वाहा

ॐ हेरुकेष्टायै स्वाहा

ॐ वटुस्थायै स्वाहा

ॐ वटुमात्रे स्वाहा

ॐ वटेश्वर्यै स्वाहा

ॐ नटिन्यै स्वाहा

ॐ त्रोटिन्यै स्वाहा

ॐ त्रात्रे स्वाहा

ॐ स्वस्त्रे स्वाहा

ॐ सारवत्यै स्वाहा

ॐ सभायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ सौभाग्यभाग्यदायै
स्वाहा ५००

ॐ भाग्यायै स्वाहा

ॐ भोगदायै स्वाहा

ॐ भुवे स्वाहा

ॐ प्रभावत्यै स्वाहा

ॐ चन्द्रिकायै स्वाहा

ॐ कालहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ ज्योत्स्नायै स्वाहा

ॐ उत्कायै स्वाहा

ॐ अशनये स्वाहा

ॐ आह्निकायै स्वाहा

ॐ ऐहिक्यै स्वाहा

ॐ आमुष्मिक्यै स्वाहा

ॐ उष्मायै स्वाहा

ॐ ग्रीष्मार्कद्युतिरूपिण्यै स्वाहा

ॐ ग्रीवायै स्वाहा

ॐ ग्रीष्मायै स्वाहा

ॐ नागकन्यायै स्वाहा

ॐ कैलासाचलवासिन्यै स्वाहा

ॐ मल्ल्यै स्वाहा

ॐ मार्तण्डरूपायै स्वाहा

ॐ मानहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ मनोरमायै स्वाहा

ॐ मानिन्यै स्वाहा

ॐ मानकर्त्र्यै स्वाहा

ॐ मानस्यै स्वाहा

ॐ तापसीश्वर्यै स्वाहा

ॐ पयःस्थायै स्वाहा

ॐ परंब्रह्मस्तुतायै स्वाहा

ॐ स्तोत्रप्रियायै स्वाहा

ॐ तन्वै स्वाहा

ॐ तन्व्यै स्वाहा

ॐ तनुतरायै स्वाहा

ॐ सूक्ष्मायै स्वाहा

ॐ स्थूलायै स्वाहा

ॐ शूरप्रियायै स्वाहा

ॐ अधमायै स्वाहा

ॐ उत्तमायै स्वाहा

ॐ मणिभूषाढ्यायै स्वाहा

ॐ मणिमण्डपसंस्थितायै
स्वाहा

ॐ भाषायै स्वाहा

ॐ तीक्ष्णायै स्वाहा

ॐ त्रपायै स्वाहा

ॐ चिन्तायै स्वाहा

ॐ चण्डिकायै स्वाहा

ॐ चर्चिकायै स्वाहा

ॐ चलायै स्वाहा

ॐ चण्डचै स्वाहा

ॐ चुल्ल्यै स्वाहा

ॐ चमत्कारकर्त्र्यै स्वाहा

ॐ हरिहरेश्वर्यै स्वाहा

ॐ हरिसेव्यायै स्वाहा

ॐ कपिश्रेष्ठायै स्वाहा

ॐ चर्चितायै

ॐ चारुरूपिण्यै स्वाहा

ॐ चण्डे-श्वर्यै स्वाहा

ॐ चण्डरूपायै स्वाहा

ॐ मुण्डहस्तायै स्वाहा

ॐ मनोगतये स्वाहा

ॐ पूतायै स्वाहा

ॐ प्रोतायै स्वाहा

ॐ पवित्रायै स्वाहा

ॐ मज्जायै स्वाहा

ॐ मेध्यायै स्वाहा

ॐ सुगन्धिन्यै स्वाहा

ॐ सुगन्धायै स्वाहा

ॐ पुष्पिण्यै स्वाहा

ॐ पुष्पायै स्वाहा

ॐ प्रेरितायै स्वाहा

ॐ पवनेश्वर्यै स्वाहा

ॐ प्रेतायै स्वाहा

ॐ क्रोधाकुलायै स्वाहा

ॐ न्यस्तायै स्वाहा

ॐ न्यक्काराम्बर,वाहिन्यै स्वाहा

ॐ स्त्रोतस्वत्यै स्वाहा

ॐ मधुमत्यै स्वाहा

ॐ वेदमात्रे स्वाहा

ॐ सुरायै स्वाहा

ॐ सुधायै स्वाहा

ॐ मत्स्यायै स्वाहा

ॐ मत्स्येन्द्र,पीठस्थायै स्वाहा

ॐ वीर,पान,मदा,तुरायै स्वाहा

ॐ पृथिव्यै स्वाहा

ॐ तैजस्यै स्वाहा

ॐ तृप्त्यै स्वाहा

ॐ मूलाधारायै स्वाहा

ॐ प्रभायै स्वाहा

ॐ पृथवे स्वाहा

ॐ नागपाशधरायै स्वाहा

ॐ अनन्तायै स्वाहा

ॐ पाशहस्तप्रबोधिन्यै स्वाहा

ॐ प्रसाधनायै स्वाहा

ॐ कलिङ्गाख्यायै स्वाहा

ॐ मदनाशायै स्वाहा

ॐ मदद्रवायै स्वाहा

ॐ मधुवीरायै स्वाहा

ॐ मदान्धायै स्वाहा

ॐ पावन्यै स्वाहा

ॐ वेदनायै स्वाहा

ॐ स्मृत्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ बोधिकायै
स्वाहा६००

ॐ ओंबोधिन्यै स्वाहा
ॐ पुष्ट्यै स्वाहा
ॐ काश्यै स्वाहा
ॐ वाराणस्यै स्वाहा
ॐ गयायै स्वाहा
ॐ कौशिक्यै स्वाहा
ॐ उज्जयिन्यै स्वाहा
ॐ धारायै स्वाहा
ॐ काश्मीर्यै स्वाहा

ॐ कुंकुमालयायै स्वाहा

ॐ भूम्यै स्वाहा

ॐ सिन्ध्वै स्वाहा

ॐ प्रभासायै स्वाहा

ॐ गङ्गायै स्वाहा

ॐ गौर्यै स्वाहा

ॐ शुभाश्रयायै स्वाहा

ॐ नानाविद्यामय्यै स्वाहा

ॐ वेत्रवत्यै स्वाहा

ॐ गोदावरीनद्यै स्वाहा

ॐ गदहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ गजारूढायै स्वाहा

ॐ इन्द्राण्यै स्वाहा

ॐ कुरुकौलिन्यै स्वाहा

ॐ कुलाचारायै स्वाहा

ॐ कुरूपायै स्वाहा

ॐ सुरूपायै स्वाहा

ॐ रूपवर्जितायै स्वाहा

ॐ चन्द्रभागायै स्वाहा

ॐ यमुनायै स्वाहा

ॐ याम्यै स्वाहा

ॐ यमक्षयङ्कर्यै स्वाहा

ॐ काम्भोज्यै स्वाहा

ॐ सरय्वै स्वाहा

ॐ चित्रायै स्वाहा

ॐ वितस्तायै स्वाहा

ॐ ऐरावत्यै स्वाहा

ॐ झषायै स्वाहा

ॐ चषकायै स्वाहा

ॐ मथिकायै स्वाहा

ॐ तन्त्र्यै स्वाहा

ॐ वीणायै स्वाहा

ॐ वेणुप्रियङ्कर्यै स्वाहा

ॐ कुण्डलिन्यै स्वाहा

ॐ निर्विकारायै स्वाहा

ॐ गायत्र्यै स्वाहा

ॐ नरकान्तकायै स्वाहा

ॐ कृष्णायै स्वाहा

ॐ सरस्वत्यै स्वाहा

ॐ ताप्यै स्वाहा

ॐ पयोष्ण्यै स्वाहा

ॐ शतरुद्रिकायै स्वाहा

ॐ कावेर्यै स्वाहा

ॐ शतपत्राभायै स्वाहा

ॐ शतबाहवे स्वाहा

ॐ शतह्रदायै स्वाहा

ॐ रेवत्यै स्वाहा

ॐ रोहिण्यै स्वाहा

ॐ क्षिप्यायै स्वाहा

ॐ क्षीणायै स्वाहा

ॐ क्षोण्यै स्वाहा

ॐ क्षमायै स्वाहा

ॐ क्षयायै स्वाहा

ॐ क्षान्त्यै स्वाहा

ॐ भ्रान्त्यै स्वाहा

ॐ गुरवे स्वाहा

ॐ गुर्व्यै स्वाहा

ॐ गरिष्ठायै स्वाहा

ॐ गोकुलालयायै स्वाहा

ॐ नादिन्यै स्वाहा

ॐ कृषिण्यै स्वाहा

ॐ कृष्टायै स्वाहा

ॐ सत्कुटच्यै स्वाहा

ॐ भूमिकायै स्वाहा

ॐ भ्रमायै स्वाहा

ॐ विभ्राजमानायै स्वाहा

ॐ तीर्थायै स्वाहा

ॐ तीर्थातीर्थफलप्रदायै स्वाहा

ॐ तरुण्यै स्वाहा

ॐ तापस्यै स्वाहा

ॐ पाशायै स्वाहा

ॐ विपाशायै स्वाहा

ॐ पाशधारिण्यै स्वाहा

ॐ पशूपहारसन्तुष्टायै स्वाहा

ॐ कुक्कुटच्यै स्वाहा

ॐ हंसवाहनायै स्वाहा

ॐ मदनायै स्वाहा

ॐ विपुलायै स्वाहा

ॐ काण्डच्यै स्वाहा

ॐ वेदकाण्डच्यै स्वाहा

ॐ विचित्रिण्यै स्वाहा

ॐ स्वप्नावत्यै स्वाहा

ॐ सरिते स्वाहा

ॐ सीताधारिण्यै स्वाहा

ॐ मत्सर्यै स्वाहा

ॐ चमते स्वाहा

ॐ शतद्रवे स्वाहा

ॐ भारत्यै स्वाहा

ॐ कद्रवे स्वाहा

ॐ अनन्तानन्तशायिन्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ वेदनायै स्वाहा ७००

ॐ वासव्यै स्वाहा

ॐ वेश्यायै स्वाहा

ॐ पूतनायै स्वाहा

ॐ पुष्पहासिन्यै स्वाहा

ॐ त्रिशक्त्यै स्वाहा

ॐ शक्तिरूपायै स्वाहा

ॐ क्षुरमात्रे स्वाहा

ॐ क्षुर्यै स्वाहा

ॐ क्षुधायै स्वाहा

ॐ मन्दायै स्वाहा

ॐ मन्दाकिन्यै स्वाहा

ॐ मुद्रायै स्वाहा

ॐ भूताभूतपतिव्रतायै स्वाहा

ॐ भूतेष्टायै स्वाहा

ॐ पञ्चभूतघ्न्यै स्वाहा

ॐ स्वक्षायै स्वाहा

ॐ कोमलहासिन्यै स्वाहा

ॐ वासिन्यै स्वाहा

ॐ कुहिकायै स्वाहा

ॐ लम्बायै स्वाहा

ॐ लम्बकेश्यै स्वाहा

ॐ सुकेशिन्यै स्वाहा

ॐ ऊर्ध्वकेश्यै स्वाहा

ॐ विशालाक्ष्यै स्वाहा

ॐ घोरायै स्वाहा

ॐ पुण्यपतिव्रतायै स्वाहा

ॐ पांसुलायै स्वाहा

ॐ पात्रहस्तायै स्वाहा

ॐ खर्पर्यै स्वाहा

ॐ खर्परायुधायै स्वाहा

ॐ केकर्यै स्वाहा

ॐ काकिन्यै स्वाहा

ॐ कुम्भ्यै स्वाहा

ॐ सफलायै स्वाहा

ॐ केकराकृतये स्वाहा

ॐ विफलायै स्वाहा

ॐ विजयायै स्वाहा

ॐ श्रीदायै स्वाहा

ॐ श्रीदसेव्यायै स्वाहा

ॐ शुभङ्कर्यै स्वाहा

ॐ शैत्यायै स्वाहा

ॐ शीतालयायै स्वाहा

ॐ शीधुपात्रहस्तायै स्वाहा

ॐ कृपावत्यै स्वाहा

ॐ कारुण्यविश्वसारायै स्वाहा

ॐ करुणायै स्वाहा

ॐ करुणाकुलायै स्वाहा

ॐ प्रज्ञायै स्वाहा

ॐ अज्ञानायै स्वाहा

ॐ षड्वर्गायै स्वाहा

ॐ षडास्यायै स्वाहा

ॐ षण्मुखप्रियायै स्वाहा

ॐ क्रौञ्च्यै स्वाहा

ॐ क्रौञ्चाद्रिदलिन्यै स्वाहा

ॐ दान्तायै स्वाहा

ॐ दारिद्र्यहारिण्यै स्वाहा

ॐ सुशीलभास्वरायै स्वाहा

ॐ साध्यायै स्वाहा

ॐ साधनीयायै स्वाहा

ॐ सामगायै स्वाहा

ॐ सप्तस्वरायै स्वाहा

ॐ सप्तिवाहायै स्वाहा

ॐ सप्तसप्तिविलोचनायै-
स्वाहा

ॐ स्थितये स्वाहा

ॐ क्षेमङ्कर्यै स्वाहा

ॐ स्वाहायै स्वाहा

ॐ वाचाल्यै स्वाहा

ॐ विधिभास्वरायै स्वाहा

ॐ कालकण्ठ्यै स्वाहा

ॐ घोषधरायै स्वाहा

ॐ सुग्रीवायै स्वाहा

ॐ स्कन्दसंरुचये स्वाहा

ॐ शुचिस्मितायै स्वाहा

ॐ समुद्रेष्टायै स्वाहा

ॐ शशिन्यै स्वाहा

ॐ वशिन्यै स्वाहा

ॐ सुदृशे स्वाहा

ॐ सर्वज्ञायै स्वाहा

ॐ सर्वदायै स्वाहा

ॐ शार्यै स्वाहा

ॐ सुनासायै स्वाहा

ॐ सुर,कन्यकायै स्वाहा

ॐ मीनायै स्वाहा

ॐ मीनासुतायै स्वाहा

ॐ शृङ्ग्यै स्वाहा

ॐ शृङ्गिन्यै स्वाहा

ॐ हाटकेश्वर्यै स्वाहा

ॐ होटिकायै स्वाहा

ॐ हारिण्यै स्वाहा

ॐ लिङ्गायै स्वाहा

ॐ भगलिङ्गस्वरूपिण्यै स्वाहा

ॐ भगमात्रे स्वाहा

ॐ लिङ्गख्यायै स्वाहा

ॐ लिङ्गप्रीतायै स्वाहा

ॐ कलिङ्गजायै स्वाहा

ॐ कुमार्यै स्वाहा

ॐ युवत्यै स्वाहा

ॐ प्रोढायै स्वाहा

ॐ नवोढायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ प्रौढरूपिण्यै
स्वाहा।ॐॐ

ॐ रम्यायै स्वाहा
ॐ रजोवत्यै स्वाहा
ॐ रज्जवे स्वाहा
ॐ राजोल्यै स्वाहा
ॐ राजस्यै स्वाहा
ॐ घटच्चै स्वाहा
ॐ कैवर्त्यै स्वाहा
ॐ राक्षस्यै स्वाहा
ॐ रात्र्यै स्वाहा

ॐ रात्रिञ्चरक्षयङ्कर्यै स्वाहा

ॐ महोग्रायै स्वाहा

ॐ मुदितायै स्वाहा

ॐ भिल्ल्यै स्वाहा

ॐ भल्लहस्तायै स्वाहा

ॐ भयङ्कर्यै स्वाहा

ॐ नीलाभायै स्वाहा

ॐ द्वारिकायै स्वाहा

ॐ द्वाःस्थायै स्वाहा

ॐ द्वारिकाम्मध्यदेशग्गायै स्वाहा

ॐ चित्रलेखायै स्वाहा

ॐ वसुमत्यै स्वाहा

ॐ सुन्दराङ्गयै स्वाहा

ॐ वसुंधरायै स्वाहा

ॐ देवतायै स्वाहा

ॐ पर्वतस्थायै स्वाहा

ॐ स्वयम्भुवे स्वाहा

ॐ परमाकृतये स्वाहा

ॐ परमेश्मुण्डमालायै स्वाहा

ॐ नागयज्ञोपवीतिन्यै स्वाहा

ॐ श्मशानकालिकायै स्वाहा

ॐ श्मश्रवे स्वाहा

ॐ प्रलयात्मप्रलोपिन्यै स्वाहा

ॐ प्रस्थस्थायै स्वाहा

ॐ प्रस्थिन्यै स्वाहा

ॐ प्रस्थायै स्वाहा

ॐ धूम्रार्चिषे स्वाहा

ॐ धूम्रधूमिन्यै स्वाहा

ॐ धूम्राङ्ग्यै स्वाहा

ॐ धूम्रकेशायै स्वाहा

ॐ कपिलायै स्वाहा

ॐ कालनाशिन्यै स्वाहा

ॐ कङ्काल्यै स्वाहा

ॐ कालरूपायै स्वाहा

ॐ कालमात्रे स्वाहा

ॐ मलिम्लुच्यै स्वाहा

ॐ शर्वाण्यै स्वाहा

ॐ रुद्रपत्न्यै स्वाहा

ॐ रूक्षायै स्वाहा

ॐ रुद्रस्वरूपिण्यै स्वाहा

ॐ सन्ध्यायै स्वाहा

ॐ त्रिसन्ध्यायै स्वाहा

ॐ संपूज्यायै स्वाहा

ॐ सर्वैश्वर्यप्रदायिन्यै स्वाहा

ॐ कुलजायै स्वाहा

ॐ सत्यलोकेशायै स्वाहा

ॐ सत्यवाचे स्वाहा

ॐ सत्यवादिन्यै स्वाहा

ॐ सप्तस्वरायै स्वाहा

ॐ सत्यमय्यै स्वाहा

ॐ हरिद्वारायै स्वाहा

ॐ हरिन्मय्यै स्वाहा

ॐ हरिद्रत्नमय्यै स्वाहा

ॐ राश्यै स्वाहा

ॐ ग्रहतारायै स्वाहा

ॐ तिथ्यै स्वाहा

ॐ तम्यै स्वाहा

ॐ तुम्बुरवे स्वाहा

ॐ त्रुटिकायै स्वाहा

ॐ त्रोटच्यै स्वाहा

ॐ भुवनेश्यै स्वाहा

ॐ भयापहायै स्वाहा

ॐ राज्ञ्यै स्वाहा

ॐ राज्यप्रदायै स्वाहा

ॐ योग्यायै स्वाहा

ॐ योगिन्यै स्वाहा

ॐ भुवनेश्वर्यै स्वाहा

ॐ तुरीयायै स्वाहा

ॐ तमस्पारायै स्वाहा

ॐ व्रीडायै स्वाहा

ॐ भर्ग्यै स्वाहा

ॐ भयानकायै स्वाहा

ॐ कालरात्र्यै स्वाहा

ॐ महारात्र्यै स्वाहा

ॐ महाविद्यायै स्वाहा

ॐ शिवालयायै स्वाहा

ॐ शिवसङ्गायै स्वाहा

ॐ शिवस्थायै स्वाहा

ॐ समाध्यै स्वाहा

ॐ अग्निवाहनायै स्वाहा

ॐ अग्नीश्वर्यै स्वाहा

ॐ सदाव्याप्त्यै स्वाहा

ॐ बलाकायै स्वाहा

ॐ बालरूपिण्यै स्वाहा

ॐ वटुकेश्यै स्वाहा

ॐ वामरूपायै स्वाहा

ॐ सते स्वाहा

ॐ असते स्वाहा

ॐ पुरभैरव्यै स्वाहा

ॐ विघ्नहायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ खलहायै स्वाहा१००

ॐ गाथायै स्वाहा

ॐ कथायै स्वाहा

ॐ कन्थायै स्वाहा

ॐ शुभाम्बरायै स्वाहा

ॐ ऋतुजायै स्वाहा

ॐ क्रतुहायै स्वाहा

ॐ क्रान्तायै स्वाहा

ॐ माधवेशायै स्वाहा

ॐ अमरावत्यै स्वाहा

ॐ अरुणाक्ष्यै स्वाहा

ॐ विशालाक्ष्यै स्वाहा

ॐ पुण्यशीलायै स्वाहा

ॐ विलासिन्यै स्वाहा

ॐ स्वमात्रे स्वाहा

ॐ स्कन्दमात्रे स्वाहा

ॐ कृत्तिकायै स्वाहा

ॐ भरण्यै स्वाहा

ॐ बलये स्वाहा

ॐ जिनेश्वर्यै स्वाहा

ॐ सुकुशलायै स्वाहा

ॐ गोप्यै स्वाहा

ॐ गोपतिपूजितायै स्वाहा

ॐ गुप्तायै स्वाहा

ॐ गोप्यतरायै स्वाहा

ॐ ख्यातायै स्वाहा

ॐ प्रकटायै स्वाहा

ॐ गोपितात्मिकायै स्वाहा

ॐ कुलाम्नायवत्यै स्वाहा

ॐ कीलायै स्वाहा

ॐ पूर्णायै स्वाहा

ॐ स्वर्णाङ्गदायै स्वाहा

ॐ उत्सुकायै स्वाहा

ॐ उत्कण्ठायै स्वाहा

ॐ कालकण्ठायै स्वाहा

ॐ रक्तपायै स्वाहा

ॐ पानपायै स्वाहा

ॐ अमलायै स्वाहा

ॐ सम्पूर्ण,चन्द्र,वदनायै स्वाहा

ॐ यशोदायै स्वाहा

ॐ यशस्विन्यै स्वाहा

ॐ आनन्दायै स्वाहा

ॐ सुन्दर्यै स्वाहा

ॐ सर्वानन्दायै स्वाहा

ॐ नन्दात्मजायै स्वाहा

ॐ आलयायै स्वाहा

ॐ विद्युते स्वाहा

ॐ खद्योतरूपायै स्वाहा

ॐ सादरायै स्वाहा

ॐ जविकायै स्वाहा

ॐ जन्यै स्वाहा

ॐ मन्त्रदायै स्वाहा

ॐ मानदायै स्वाहा

ॐ मान्यायै स्वाहा

ॐ सर्वपूज्यायै स्वाहा

ॐ सुरेश्वर्यै स्वाहा

ॐ जनिकर्त्र्यै स्वाहा

ॐ जगद्रूपायै स्वाहा

ॐ जगद्वन्द्यायै स्वाहा

ॐ प्रियङ्कर्यै स्वाहा

ॐ मुग्धास्यायै स्वाहा

ॐ मुग्धनेत्रायै स्वाहा

ॐ लोकेश्यै स्वाहा

ॐ मनोरमायै स्वाहा

ॐ वरदायै स्वाहा

ॐ शौर्यदायै स्वाहा

ॐ मुग्धायै स्वाहा

ॐ प्रेतस्थायै स्वाहा

ॐ वह्निलोचनायै स्वाहा

ॐ अग्निमुख्यै स्वाहा

ॐ महादीप्त्यै स्वाहा

ॐ रौद्रायै स्वाहा

ॐ संहारकारिण्यै स्वाहा

ॐ बृहन्नेत्रायै स्वाहा

ॐ कृशाङ्ग्यै स्वाहा

ॐ घोरायै स्वाहा

ॐ घोरतरायै स्वाहा

ॐ शिवायै स्वाहा

ॐ देवेन्द्रसेवितायै स्वाहा

ॐ नित्यायै स्वाहा

ॐ भाग्यदायै स्वाहा

ॐ सर्वमङ्गलायै स्वाहा

ॐ सौख्यदायै स्वाहा

ॐ शुभकर्त्र्यै स्वाहा

ॐ भक्तानांहितकारिण्यै स्वाहा

ॐ जनन्यै स्वाहा

ॐ जनिहर्त्र्यै स्वाहा

ॐ जम्बारिवरदायै स्वाहा

ॐ जनवे स्वाहा

ॐ जीर्णायै स्वाहा

ॐ जीमूतलक्ष्यायै स्वाहा

ॐ जयिन्यै स्वाहा

ॐ जयवर्धिन्यै स्वाहा

ॐ जलस्थायै स्वाहा

ॐ जयन्त्यै स्वाहा

ॐ जम्बारिप्रियकारिण्यै स्वाहा

ॐ सहस्रनामसम्पूर्णायै
ज्वालामुखीश्वरीदेव्यै स्वाहा

ॐ महादेव्यै स्वाहा

ॐ महेशान्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै
स्वाहा१०००

विजयेश्वर-ज्योतिष कार्यालय से छपी पुस्तकें मिलने के पते :-

1. विजयेश्वर धार्मिक पुस्तक भण्डार
तालाब तिलो जम्मू

2. जे. के. बुक शाप
तालाब तिलो जम्मू

3. भसीन स्टेशनरी स्टोर
पक्का-ढंगा जम्मू

4. यूनिवर्सल निवज़ एज़न्सी
उधमपुर - जम्मू

5. देहली में
तनेजा एलकट्रिक्लज़ एण्ड टय्न्ट हाऊस
रघुनाथ बाजार अमरकालोनी
लाजपतनगर-देहली - 6429046
शाप नं. 45 ब्रह्मपुत्र शापिंग कम्पलेक्स
सैक्टर - 29 नयोडा - देहली